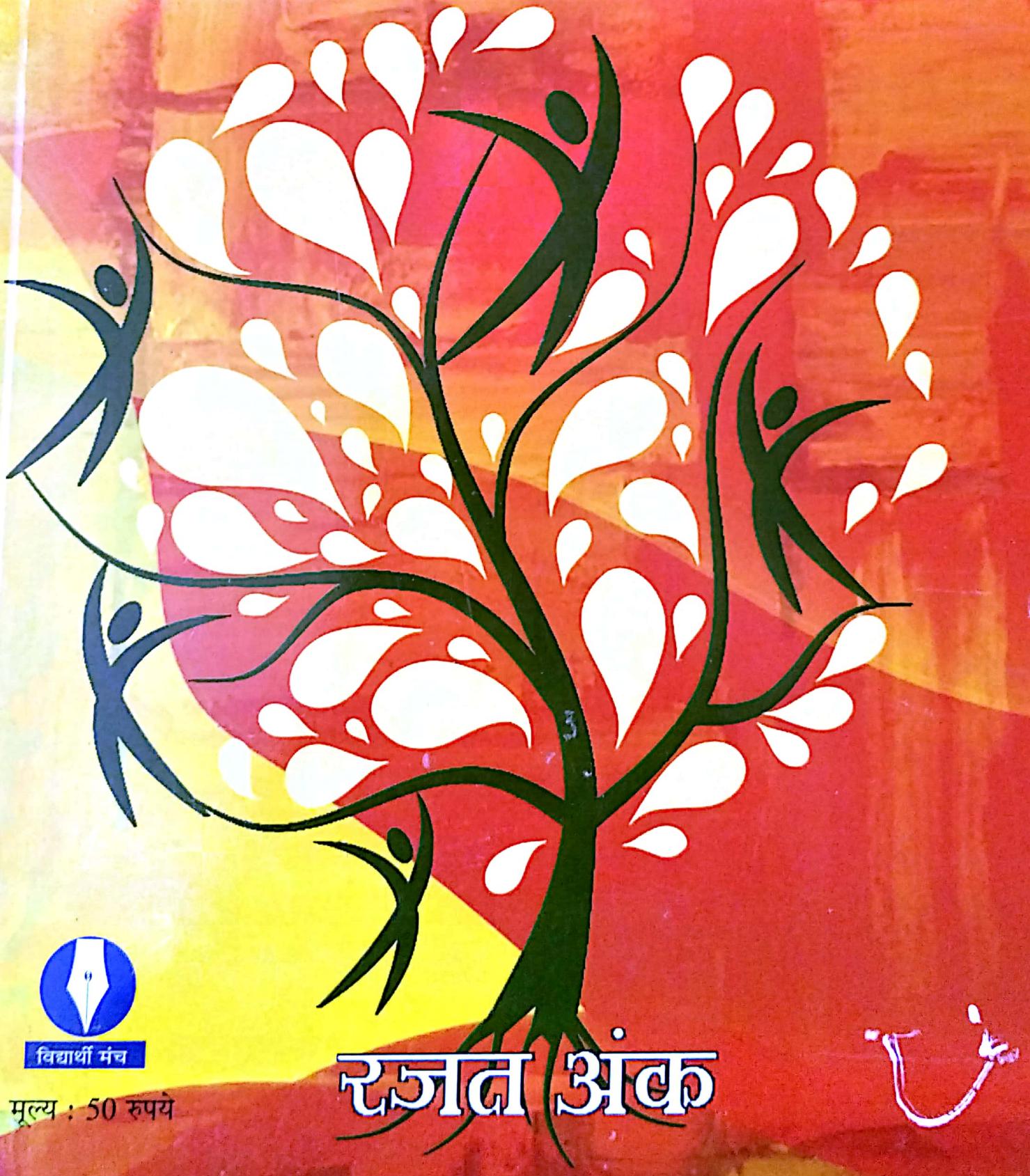


शोध, समीक्षण, सूजन एवं संचार का

ISSN 2350-1065 MUKTANCHAL
वर्ष: 07, अंक: 25, जनवरी-मार्च 2020

मुक्तांचल



विद्यार्थी मंच

मूल्य : 50 रुपये

राजत अंक

८

श्रो ध स मी क्ष ण सू ज न सं चा र	<p>87 अंजना वर्मा : कविता लिखती है एक औरत, बीत गया ज्ञाना, नमक की तरह</p> <p>89 देवनाथ द्विवेदी : चमड़ी से दमड़ी का रिश्ता, भेड़ियों की चमकती आँखें, फलों के मौसम में, स्कूल जाती लड़कियाँ</p> <p>91 शुभ्रा उपाध्याय : मैं कर सकती थी, क्यूँ नहीं कहते, औरत की कमाई</p> <p>93 डॉ. सुनील कुमार शर्मा : मुस्कुराती तुम्हारी मुस्कान, तुम ही से सीखना होगा, बदलियों पर, वहम ही रहा</p> <p>95 ज्योति स्पर्श : एक दुनिया, स्वाद</p> <p>96 अनिता रश्मि : रास्ते, विश्व गुरु, उस दिन, किर्चे</p> <p>97 धर्मपाल महेंद्र जैन : चाँदनी ने कहा था मुझे, माँ तुम कैसे हँस लेती हो</p> <p>98 निवेदिता : मैं अब भूलने लगा हूँ दिल के खोह से बाहर निकल आओ प्रेम</p> <p>सरगम के सुर साधे</p> <p>99 उद्भ्रांत : मेरी कविता मेरे समय का प्रामाणिक दस्तावेज है</p> <p>कहानी</p> <p>103 सुषमा मुनीन्द्र : कायाकल्प</p> <p>111 डॉ. कविता विकास : अब मेरी बारी है</p> <p>116 उर्मिला शुक्ल : कहानी -कउआ हँकनी की</p> <p>प्रवासी कलम</p> <p>120 रमा जोशी : ऐसी लड़कियाँ</p> <p>पुस्तकालयन्</p> <p>126 विमल वर्मा : सामाजिक ढांचा : संवेदनात्मक संबंध</p> <p>132 डॉ. प्रकाश कुमार अग्रवाल : 'अपनी गठरी' के अनमोल रत्न</p> <p>अभिमत</p>
---	--

Vol. VI ISSUE: I &II • 2019-20 & 2020-21

লকডাউন ও ডিজিটাল শিক্ষা : কিছু পর্যবেক্ষণ

Comments on Skill Education

উভর ঔপনিবেশিক ভারতবর্ষে দলিত রাজনীতির
এক আঞ্চলিক অধ্যায়

আলোর ঠিকানা

'শাস্তি' বিষয়ে একটি কিস্তি

Urgency in the Poetry of Neerav Patel

পশ্চিমবঙ্গে নারীর ক্ষমতায়ণ একটি আলোচনা

মধ্যবুগীয় বাংলা সাহিত্যে শিব অনুষঙ্গ; মন্দির অলংকরণে
তার প্রতিফলন, বর্ধমান জেলার নির্বাচিত মন্দির একটি সমীক্ষা

Reproductive health awareness and self-satisfaction of women: A sociological study

মু঳ী প্রেমচন্দ এর অভ্যরের মানবিক দীপ্তি ও
দ্রোহচেতনার চিহ্নিকরণ

একা কৃষ্ণ : একটি মানবিক বিশ্বেশিকরণ ও উভরণের ব্রহ্মাণ্ড
ইশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর ও ভারতেন্দু যুগ : স্তী মুক্তি কে পরিপ্রেক্ষ্য মেঁ

ভূমংঙ্গলীকরণ ও বদহলে সমসাময়িক পরিবেশ : এক দৃষ্টি

পুনৰুক্ত পর্যালোচনা
জরুরি অবস্থা ও বাংলা সাহিত্যের একটি সাবলীল আলোচনা

পুস্তক সমীক্ষা
হ্যাঁ ! বসন্ত : বিচারপরক ঔর ধারদার ব্যাংগ কা পুষ্পগুচ্ছ

एका कृष्ण : एकटि मानविक विश्वेगिकरण ओ उज्जरणेर बृत्तान्त

ग्रोलिनाथ विश्वास

ईश्वरचंद्र विद्यासागर और भारतेंदु युग : स्त्री मुक्ति के परिप्रेक्ष्य में

डा. मनोज कुमार सिंह

भूमंडलीकरण और बदहते समसामयिक परिवेश : एक दृष्टि

डा. प्रकाश कुमार अग्रवाल

प्रूफक पर्यालोचना

जरूरि अवश्य ओ बांला साहित्येर एकटि सावलील आलोचना

देवाशिष राय

पुस्तक समीक्षा

हा ! वसंत : विचारपरक और धारदार व्यंग्य का पुष्पगुच्छ

डा. वीरेन्द्र परमार

प्रमाण प्रमाणित संस्कृत विभाग/337/2017-18

प्रकाशन नं. 2004/14249

मासिक

मूल्य: 25/- क्रमाये

अक्षरवाती

ISSN - 2329 - 7521 / IMPACT FACTOR - 2.891

कला-गणितिकी-सामाजिकज्ञान-जनरेशन-वाणिज्य-विज्ञान-वैद्यकीयी की अंतर्राष्ट्रीय रेफर्ड ज्ञानीया

Monthly International Referred Journal & Peer Reviewed

तर्फ-16 अंक-3 (जनवरी - 2020)
Vol - XVI Issue No. III (January -2020)

» aksharwarta@gmail.com » www.facebook.com/aksharwartawebpage » +918989547427

आवरण- बंशीलाल परमार



Scanned with OKEN Scanner

अक्षर वार्ता

Email: aksharwartajournal@gmail.com
वर्ष-16 अंक-3 , जनवरी- 2020

Vol - XVI Issue No. III January 2020
Impact Factor - 2.891

INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

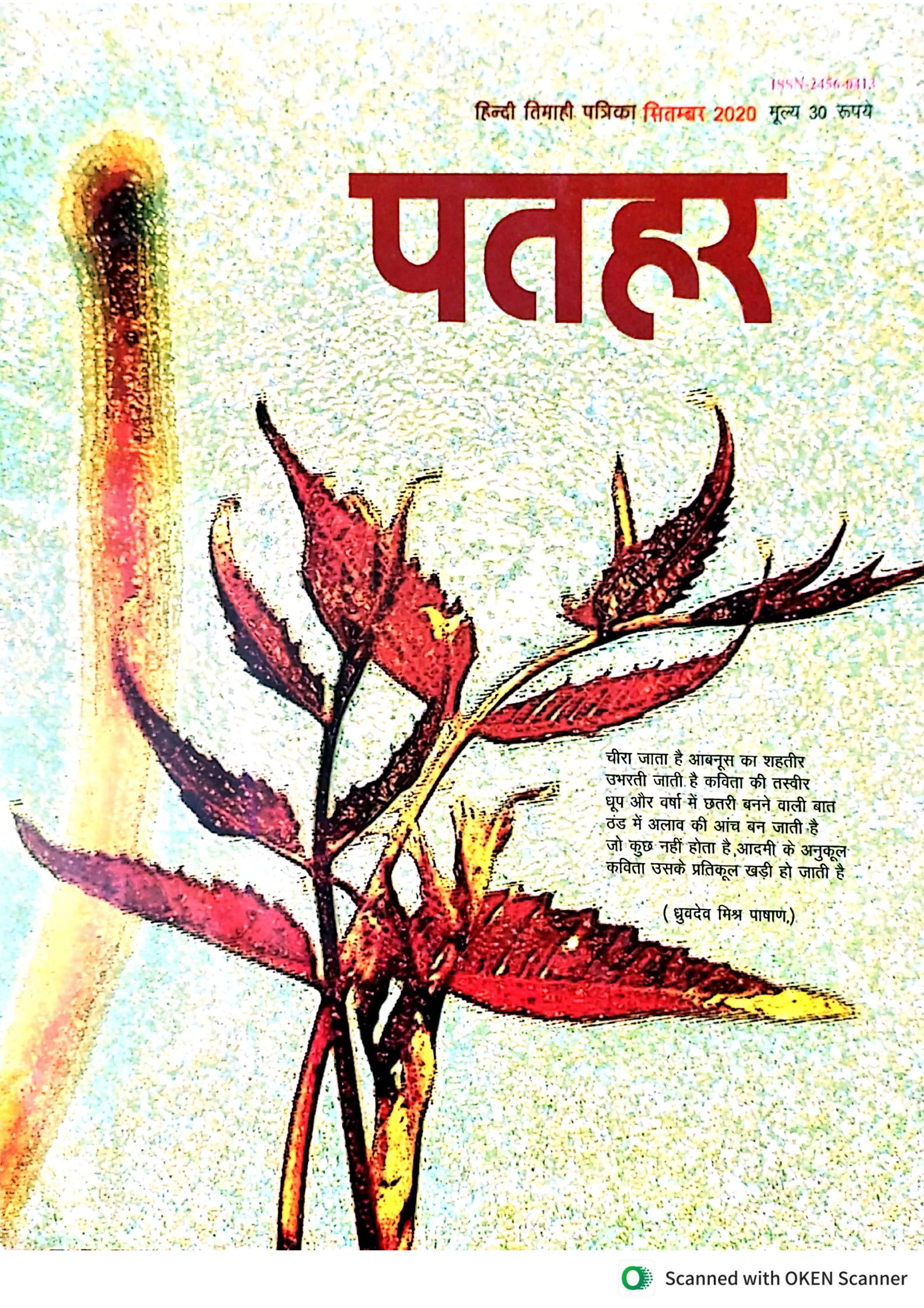
प्रधान संपादक - प्रो.शैलेन्द्रकुमार शर्मा
संपादक - डॉ.मोहन बैरागी
संपादक मण्डल- डॉ.जगदीशचन्द्र शर्मा (उज्जैन),
प्रो.राजश्री शर्मा, डॉ. शशि रंजन 'अकेला' (आरजीपीवी, भोपाल)
सहसंपादक - डॉ.मोहसिन खान (महाराष्ट्र),
सह संपादक - डॉ.भेरुलाल मालवीय, डॉ. अंजली उपाध्याय
डॉ.पराक्रम सिंह, डॉ.रूपाली सारथी, डॉ. डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. मौनिका
देवी, प्रबंध संपादक - कृष्णदास बैरागी

अनुक्रम		»		»	
» भाषा एवं राजनीति		»	डॉ. राम मनोहर लोहिया और उनका राजनीतिक चिंतन		
» गुरमीत कौर	05	»	डॉ. मधुकांता समाधिया	32	
» अज्ञेय के उपन्यासों में पात्रों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण		»	संवैधानिक राजर्षि शाहू महाराज और वर्तमान यथार्थ		
डॉ. दिव्यजय कुमार शर्मा	07	»	वाढ़ेकर रामेश्वर महादेव	36	
» अपनी गठी के अनमोल रत्न		»	जीवन के विविध रंगः सहयात्री है हमः जय वर्मा		
डॉ. प्रकाश कुमार अग्रवाल	10	»	डॉ. सुधांशु कुमार शुक्ला	38	
» परंपरा और आधुनिकता		»	निर्गुण काव्यधारा: पृष्ठभूमि एवं वैशिष्ट्य		
वर्षा लांजेवार	13	»	डॉ. श्रीमती नंदिनी तिवारी	41	
» गोस्वामी तुलसीदास का काव्य एवं काव्य-टृष्णि		»	MATHEMATICS AND SCIENCE		
डॉ. बौद्धी यादव	15	»	LEARNING FRAMEWORK FOR THE		
» घरेलू हिंसा का महिलाओं के जीवन पर प्रभाव		»	HIGHER EDUCATION SYSTEM WITH		
साधना मौर्या	17	»	THE HELP OF MATHEMATICAL		
» जाति व्यवस्था के ढाँचे में बदलाव		»	TOOLS		
(एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)		»	ANIL KUMAR PRADHAN		
प्रियंका कुमारी	20	»	Dr.SHUBHASHISH BISWAS	43	
» तकनीकि शिक्षा संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण		»	पुस्तक लोकार्पण		
दक्षता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव		»	"माटी मानुष चून" : अभय मिश्रा		
डॉ. बनश्याम शर्मा, जगदीश चन्द्र शर्मा	22				
» मालवा के प्रमुख व्रत, पर्व, उत्सव सरोकार और संवेदनाएँ					
सुदामा सखवार	24				
» संस्कृत काव्य में 20वीं शताब्दी में वीरों के अतीवका					
यथार्थ एवं रोमांचक वित्रणः एक अध्ययन					
डॉ. चंचल जादेन	27				
» बढ़ते बाल अपराध में सूचना तकनीकि के प्रभाव का					
एक अध्ययन					
डॉ. बनश्याम शर्मा, जगदीश चन्द्र शर्मा	29				

शोध-पत्र भेजने संबंधी नियम

शोध-पत्र 2500-5000 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये। ०. हिन्दी माध्यम के शोध पत्रों को कृतिदेव ०10 (Kruti Dev 010) या युनिकोड भंगल फोट में टाइप करवाकर माईक्रोसॉफ्ट वर्ड में अक्षरवार्ता के ईमेल पर भेजने के बाद हार्ड कॉपी तथा शोध-पत्र मौलिक होने के घोषणा-पत्र के साथ हस्ताक्षर कर अक्षरवार्ता के कार्यालय को प्रेषित करें। ०. Please Follow-APA/MLA Style for formatting अक्षरवार्ता का वार्षिक सदस्यता शुल्क रूपये 650/-, रूपये एवं प्रकाशन/पंजीयन शुल्क रूपये 1500/- का भुगतान बैंक द्वारा सीधे द्रासकर या जमा किया जा सकता है। बैंक विवरण निम्नानुसार है - बैंक:- Corporation Bank, Account Holder- Aksharwarta°Current Account NO. 510101003522430 IFSC- CORP0000762, Branch- Rishi Nagar,Ujjain,MP,India

पतक



चीरा जाता है आबनूस का शहतीर
उभरती जाती है कविता की तस्वीर
धूप और वर्षा में छतरी बनने वाली बात
ठड़ में अलाव की आंच बन जाती है
जो कुछ नहीं होता है, आदमी के अनुकूल
कविता उसके प्रतिकूल खड़ी हो जाती है

(ध्रुवदेव मिश्र पाण्डण.)

हिन्दी तिमाही पत्रिका

पतहर

वर्ष 05 अंक 03

जुलाई-सितम्बर 2020

मूल्य 30 रुपये पेज-52

सम्पादक

विभूति नारायण ओझा

सहयोग

डॉ विक्रम मिश्र**डॉ कमलेश कुमार यादव****डॉ विजय आनंद मिश्र****डॉ उन्मेष सिन्हा**

Email-hindipatahar@gmail.com

Mo-09450740268

आवरण बंशीलाल परमार

पतहर, स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं
सम्पादक विभूति नारायण ओझा द्वारा
ज्योति ऑफसेट प्रेस सलेमपुर देवरिया से
मुद्रित एवं कार्यालय ग्राम बहादुरपुर पोस्ट
बड़हरा(खुखुन्द) जिला देवरिया से

प्रकाशित।

सम्पादक-विभूति नारायण ओझा

प्रकाशित सामग्री से सम्पादक / प्रकाशक का
सहमत होना आवश्यक नहीं है। विवादास्पद
मामले देवरिया न्यायालय के अधीन होगा।

UPHIN/2016/67435

पतहर

-इस अंक में-

अपनी कलम	2
'ध्रुवदेव मिश्र पाण्डाण	4
राम निहाल गुंजन	6
अरविंद त्रिपाठी	7
स्वप्निल श्रीवास्तव	11
कौशल किशोर	13
उमाशंकर सिंह परमार	16
नीरज कुमार सिंह	20
डॉ.प्रकाश कुमार अग्रवाल	24
सरला माहेश्वरी	26
कृपाशंकर चौबे	31
डॉ चतुरानन ओझा	32
चंद्रेश्वर	36
डॉ अमरनाथ	37
अनिल सिन्हा	41
डॉ विजय आनंद मिश्र	42
कमलेश कुमार	
डॉ विकास चन्द्र मिश्र	
एस आर दारापुरी	40
कविता	28
पत्र	47

पतहर के संपादन सहयोगी के रूप में डॉ विजय आनंद मिश्र प्राध्यापक, हिंदी विभाग, जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज महाराजगंज तथा डॉ उन्मेष सिन्हा, प्राध्यापक हिंदी विभाग, हिंदू कॉलेज मुरादाबाद का पतहर पत्रिका परिवार में हार्दिक स्वागत है। उम्मीद है आप पतहर के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

(विभूति नारायण ओझा)

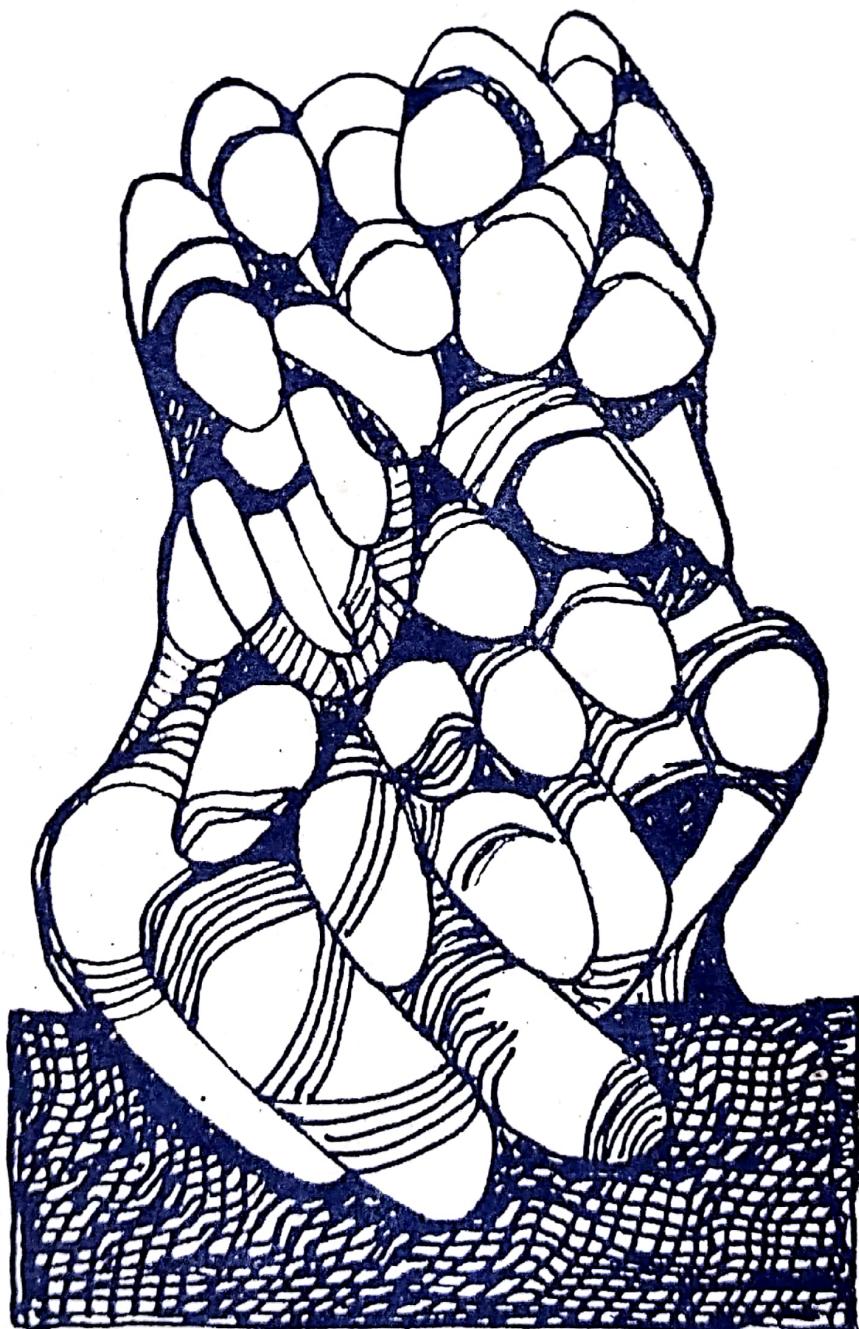
संपादक पतहर पत्रिका

जुलाई-सितम्बर 2020

उत्तराखण्ड की पत्रिका

ISSN 2394-322X

नवल



ब्रह्मोदत्तेजी

जनवरी-मार्च 2020

15 रुपये

नवल

जनवरी-मार्च 2020

वर्ष-40 अंक-4

सम्पादक

हरि मोहन 'मोहन'

मुख्यपृष्ठ रेखांकन

बी० मोहन नेगी

कार्यालय

उत्तराखण्ड प्रेस

रानीखेत रोड

रामनगर-244715

जि० नैनीताल (उत्तराखण्ड)

सम्पर्क : 9410373158

6397509570

ई-मेलः

navalpatrika@gmail.com

navalpatrika@yahoo.in

सहयोग राशि

एक प्रति - 15 रुपये

वार्षिक - 60 रुपये

द्विवार्षिक - 100 रुपये

सहयोग राशि 'नवल' (NAVAL) के नाम नैनीताल बैंक लि० में खाता सं०: 1000000001156 (IFS Code: NTBLORAM005) में सीधे जमा करने के लिए किसी भी बैंक की NEFT सेवा का उपयोग करें।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी हरि मोहन द्वारा उत्तराखण्ड प्रेस, रानीखेत रोड, रामनगर जि० नैनीताल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक-हरि मोहन

इस अंक में

सम्पादक की बात.....	4
आलेख	
भूमण्डलीकरण के दौर में भाषाओं पर बढ़ता खतरा - आकांक्षा यादव.....	5
कलम-कुटली वाली कवयित्री : वीणापाणि जोशी - देवेश जोशी.....	8
मध्य कालीन चाणक्य पुरिया नैथानी - देवेश आदमी.....	13
नक्षत्र वेधशाला : आचार्य पं० चक्रधर जोशी की अद्भुत कार्यशाला - नरेन्द्र कठैत.....	15
तर्कसंगत और वैज्ञानिक सोच - डॉ० प्रभा पंत.....	21
कविता	
दोहे - सीताराम गुप्ता.....	7
ग़ज़ल - सलिल सरोज.....	12
अशोक सिंह की कविताएँ.....	14
क्षणिकाएँ - बलवन्त.....	17
अमलकांति - रजत सान्याल.....	20
श्वेतांक कुमार सिंह की दो कविताएँ.....	25
महायोगी से महाप्रेमी - अनुजीत इकबाल.....	27
बाल्पन की माया (गढ़वाली) - मनोज भट्ट 'गढ़वळि'.....	30
रा.ड.मा.वि.पाला कुराली के विद्यार्थियों की गढ़वाली कविताएँ.....	31
पहाड़ेकि ब्वारि (कुमाऊँनी) - सोनू उप्रेती 'सौँची'.....	33
शोध आलेख	
समसामयिक सामाजिक परिवेश और भारतेंदु नवजागरण - डॉ० प्रकाश कुमार अग्रवाल.....	10
शेरसिंह मेहता और उनकी कुमाऊँनी कविताओं में प्रकृति - डॉ० पवनेश ठकुराठी	29
कहानी	
आग (लघुकथा) - डॉ० रामनिवास 'मानव'.....	12
रामस्वर्णी की तेरहर्वी - बलवीर राणा 'अडिग'.....	18
धोखा (लघुकथा) - संतोष झांझी.....	20
खिड़की किनारे - रजनी शर्मा बस्तरिया.....	22
चीत्कार - अनुभूति गुप्ता.....	23
नियति - शोली खत्री.....	26
धर्म संकट (लघुकथा) - संदीप तोमर.....	27
राम का नया स्कूल - नीरज त्यागी.....	28
स्वौरू और भौरू (लोककथा) - नवीन डिमरी 'बादल'.....	32
पुस्तक समीक्षा	
पुनर्वास (डॉ० प्रमोद कुमार क्षोत्रिय) - डॉ० परमानन्द चौबे.....	34
कविता पोस्टर : बी० मोहन नेगी	
पहाड़कु कविता-वीणापाणि जोशी.....	36

मूल्य : 30 रुपए

वर्ष 6 अंक 1 जनवरी-मार्च 2020

ISSN 2454-3330

समहाता

साहित्यिक सरोकारों का साझा मंच





अनुक्रम

समहृत	
साहित्यिक सरोकारों का साझा मंच	
वर्ष 6 अंक 1 जनवरी-मार्च 2020	
<u>संपादक</u>	
डॉ. अमरेन्द्र मिश्र	
<u>संपादकीय संपर्क एवं रचनाएं भेजने का पता</u>	
'मौसम' 4/516, पार्क एवेन्यू, वैशाली, गाजियाबाद-201010 मो: 09873525152 ई-मेल : samhutpatrika@gmail.com	
<u>कला सज्जा</u>	
लिटिल बर्ड	
4637/20, हरि सदन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली-2 मो. 09911866239	
<u>रेखाचित्र : विज्ञानब्रत</u>	
मो. 9810224571	
<u>आवरण : प्रिया</u>	
मो. 09611304241	
<u>मुद्रक</u>	
प्रोग्रेसिव प्रिंटर्स : ए-21, ज्ञानमिल, इंडस्ट्रियल एरिया, शाहदरा, दिल्ली-110095 फोन: 011-22582847	
मूल्य	: रु. 30/- (एक प्रति)
वार्षिक	: रु. 120/-
त्रैवार्षिक	: रु. 360/-
पांच वर्ष	: रु. 600/-
आजीवन	: रु. 5000/-
<u>संस्थाओं के लिए</u>	
वार्षिक	: रु. 240/-
आजीवन	: रु. 7000/-
शुल्क मनीआर्डर, चैक, बैंक ड्राफ्ट से संपादकीय पते पर भिजवाएं। दिल्ली से बाहर का चैक भेजने की स्थिति में रु. 40/- अतिरिक्त जोड़ें।	

1. संपादकीय / विमल जी का जाना / मंडी हाउस की एक शाम	3
2. संस्मरण / विमल पर विशेष	
1. गंगाप्रसाद विमल का जाना / डॉ. वरुण कुमार तिवारी	5
2. विमल : एक आत्मीय साहित्यकार / ईश्वर करुण	8
3. संस्मरण	
3. बड़ी भाभी / रुप सिंह चंदेल	10
4. भाषा-साहित्य	
4. भाषा का विकास या छास / डॉ. अमर सिंह वधान	19
5. साहित्य का नायक : सिंह सेनापति / नौशाद अली	23
6. त्रिलोचन : जन-जन के कवि / डॉ. प्रकाश कुमार अग्रवाल	26
5. पर्यटन	
7. दार्जिलिंग का महाकाल मंदिर / सुप्रिया प्रसाद	29
6. कहानी	
8. निकलना खुल्द से... / छवि निगम	31
9. नेपथ्य से / हंसा दीप	35
10. प्रतिशोध / सुरेश्वर त्रिपाठी	38
11. ऊँट की करवट / दीपक शर्मा	45
12. गैस / सूर्यबाला	48
13. बुजदिल / शेर सिंह	53
14. सुजाता के बुद्ध / अनुजीत	58
15. स्त्री मन / सलिल सरोज	61
7. खुशबू का सफर	
16. ऑक्सीटोल प्लाजा उर्फ ब्रॉडेड हवा का शुल्क / गिरीश पंकज	63
17. बहसों के हरकारे, तर्क-कुर्तर्क... / राजेश सेन	65
8. कविताएं	
18. इत्र में झूबी हुई धूप / राग रंजन	68
9. ग़ज़लें	
19. पाँच कविताएं / शहंशाह आलम	71
20. दो कविताएं / चार ग़ज़लें / प्रतिभा चौहान	73
21. दो कविताएं / माला कपूर	75
22. कविता / अमरेन्द्र सुमन	76
10. ग़ज़ल	
23. पाँच ग़ज़लें / विज्ञानब्रत	77
24. एक ग़ज़ल / हमीद कानपुरी	78



MAH/MUL/03051/201
ISSN-2319 931

विद्युकार्ता®

Peer Reviewed International Refereed Research Journal

Issue-33, Vol-01 January to March 2020

Editor

 Dr.Bapu G.Gholap

- 13) गोंदिया जिल्हा/अत्यर्थ व अत्य पुणारकांचे अभियंत्रीय स्वरूप आणि नीतिशळ
डॉ. माया आंभोरे, गोंदिया || 62

- 14) महात्मा बसवेश्वर यांचे कार्य
प्रा. डॉ. चहाण श्रीहरी दासू, जि. परभणी || 66

- 15) धुळे तालुक्यातील इ. ९ वी च्या विद्यार्थ्यांच्या अभ्यास सवर्यांचा तुलनात्मक अभ्यास करणे.
प्रा.डॉ. शोभा महारू चौधरी, जि.धुळे || 69

- 16) नैतिकमुल्य आणि शिक्षण हक्क यांचा परस्पर संबंध : एक अभ्यास
प्रा.डॉ. संजय कांबळे, जि. औरंगाबाद || 72

- 17) सन २००० ते २०१० या काळातील ग्रामीण काढबन्यातून व्यक्त होणारा शेती आणि शेतकरी ...
डॉ. रविंद्र बाबासाहेब ढास, बीड || 75

- 18) 'श्राद्ध' : दलित राजकारणाच्या वास्तवाला भिडणारी काढंबरी
मा. मा. जाधव, जि. हिंगोली || 79

- 19) एकोणिसाव्या शतकातील स्त्री शिक्षणाची स्थिती
शोभा बसवंत पाटील & डॉ. मनिषा एस नेसरकर, बेळगांवी || 83

- 20) मराठी समकालीन कथा एक : आकलन
प्रा.डॉ. रुद्राक्षे चंद्रकांत दशरथ, जि. अहमदनगर || 85

- 21) सातपुड्यात सोन्याच्या खाणी - एक शोध
अजीज रशिद तडवी || 89

- 22) २००० नंतरची ग्रामीण काढंबरी : नव्या वाटा आणि वळणे
प्रा.डॉ. राजेंद्र वडमारे, जि. अहमदनगर || 91

- 23) नाटक और रंगमंच का संबंध
वासुदेव. वी. ए., हैदराबाद || 105

- 24) समसामयिक परिवेश का आईना दृ'हा!वसंत'
डॉ. प्रकाश कुमार अग्रवाल, खडगपुर (प.ब.) || 109

- 25) ओद्योगिक क्षेत्र में मलिन बस्तियों के निर्माण के कारणों का एक : अध्ययन (म.प्र. ...
देवकी अहिरवार & डॉ. देवेन्द्र कौर, इंदौर (म.प्र.) || 117

ISSN : 2249-9318

Peer-Reviewed Refereed Research Journal

UGC Approved Journal No: 41389

वर्ष-16 \ अंक-15-16 \ जनवरी-दिसम्बर, 2020

अगुरुसंधान

छायावाद पर केन्द्रित अंक

सम्पादक

डॉ. राजेश कुमार गर्ग



Scanned with OKEN Scanner

7. छायावाद-रहस्यवाद	49
डॉ. हमीरभाई पी. मकवाणा	
प्राचार्य, श्री जे.एम.पटेल पी.जी.स्टडीज एण्ड रिसर्च इन हुमेनिटीज, आणंद गुजरात	
8. राष्ट्रीय चेतना-छायावाद के चार प्रमुख स्तंभों के परिप्रेक्ष्य में	53
डॉ. प्रकाश कुमार अग्रवाल	
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी-विभाग, खडगपुर कॉलेज, खडगपुर पश्चिम बंगाल	
9. आलोचना के आईने में छायावाद	62
डॉ. प्रणु शुक्ला	
सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, राजकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय चौमूँ, जयपुर, राजस्थान	
10. छायावाद में सौन्दर्य	68
डॉ. आनंद रणजीत बक्षी	
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, चिखलदरा अमरावती, महाराष्ट्र	
11. छायावाद की वैचारिकी	75
डॉ. प्रवीण कुमार	
सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, इन्द्रिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक मध्यप्रदेश	
12. छायावादी काव्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर	90
डॉ. मुकेश कुमार	
सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, चुरु राजस्थान	
13. स्वच्छन्दतावादी-छायावादी काव्य-विवेचन	96
डॉ. राकेश सिंह	
एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज उत्तर प्रदेश	